

नवोदय विद्यालय समिति  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

भारत सरकार

ब्लॉक-15, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश -201309  
दूर. 0120-2405969,70,71,72,73 फ़ैक्स : 0120-2405182



Navodaya Vidyalaya Samiti

Ministry of Human Resource Development

Deptt. of School Education & Literacy

Govt. of India

B-15, Institutional Area, Sector-62, NOIDA, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201309

Tel. 0120-2405969,70,71,72,73 Fax : 0120-2405182

वेबसाइट/ Website : www.navodaya.nic.in. navodaya.gov.in

सं.सं. 21-5/ 2017-नविस (हि.प्र.) /362

दिनांक 29.08.2017

सेवा में,

उपायुक्त  
नवोदय विद्यालय समिति,  
सभी क्षेत्रीय कार्यालय

प्राचार्य  
सभी जवाहर नवोदय विद्यालय  
(वेबसाइट के माध्यम से)

**विषय:- दिनांक 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2017 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाने संबंधी।**

महोदय / महोदया,

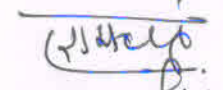
प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी दिवस (14 सितम्बर) के अवसर पर नवोदय विद्यालय समिति में दिनांक 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2017 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जायेगा। इस सुअवसर पर नवोदय विद्यालयों के सभी कार्मिकों के लिए आयुक्त, न.वि.स. का संदेश संलग्न है।

इस संदेश की भावना एवं अवसर की गरिमा के अनुरूप सभी संभागीय कार्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति अन्तर्भावना जागृत हो सके। इन प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का निर्धारण संभागीय कार्यालय के उपायुक्त की अध्यक्षता में एक समन्वय समिति का गठन करके किया जाना चाहिए।

इसी प्रकार कृपया अपने अधीनस्थ सभी जवाहर नवोदय विद्यालयों को भी हिन्दी पखवाड़े के आयोजन के लिए निर्देश दें, जिससे विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के प्रति रुचि जागृत हो सके। सभी जवाहर नवोदय विद्यालयों में इन प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों का निर्धारण प्राचार्यों की अध्यक्षता में हिन्दी, अंग्रेजी एवं तृतीय भाषा के शिक्षकों को शामिल करते हुए एक समन्वय समिति का गठन करके किया जाना चाहिए। साथ ही नवोदय विद्यालय समिति की योजना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय अपने पड़ोसी विद्यालयों को भी इन प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों में शामिल कर सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र देना उपयुक्त होगा।

पखवाड़े के दौरान निकटस्थ क्षेत्रों से हिन्दी भाषा व साहित्य के विद्वानों / साहित्यकारों को आमंत्रित कर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के महत्व पर व्याख्यान कराये जाएं। इस अवसर पर पुस्तकालय में उपलब्ध हिन्दी भाषा की पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई जा सकती है।

भवदीय,

  
(ए.एन. रामचंद्र)

संयुक्त आयुक्त (प्रशासन)

विश्वजीत कुमार सिंह, भा.व.से.  
आयुक्त  
Bishwajit Kumar Singh, IFS  
Commissioner



नवोदय विद्यालय समिति  
Navodaya Vidyalaya Samiti  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
Ministry of Human Resource Development  
(स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग)  
(Deptt. of School Education & Literacy)  
भारत सरकार/Government of India

## संदेश

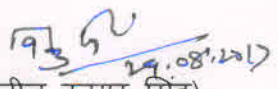
प्रिय नवोदयन,

विस्तृत भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आन्दोलन में क्रान्ति की ज्वाला एवं देशभक्ति का प्रतीक बन चुकी 'हिंदी' ने स्वराज की भाषा के रूप में उभरकर, अनेकता में भी एकता को चरितार्थ करते हुए भारत की प्रादेशिक भाषाओं को वाणी प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिंदी ने भारतीय अस्मिता को एक नई ऊर्जा, एक नई आभा प्रदान की है। देशी और विदेशी भाषाओं के शब्दों को अपने में समाहित कर हिन्दी आज प्रगतिशील है परन्तु जिन गुणों ने हिन्दी को जन-जन की भाषा बनाया, वह है भाषा की सरलता, लचीलापन एवं उसकी सहजता। इन्हीं गुणों के कारण हिन्दी को 'राजभाषा' के रूप में स्वीकार किया गया।

आज यह स्पष्ट है कि बदलते परिवेश के परिदृश्य में 'हिन्दी' का फलक निरन्तर विस्तार पा रहा है तथा 'हिन्दी' आज भावनाओं की भाषा बनकर उभर रही है। आवश्यकता है इसे सहज रूप में ग्रहण करने की, स्वीकारने की एवं इसे हृदय से अपनाने की। अतः सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों का यह दायित्व बन जाता है कि वे हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करें, पत्राचार करें एवं निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति न होने तक पूर्णरूपेण प्रयास करें। नवोदय विद्यालय समिति के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील है कि वे राजभाषा की नीति का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें एवं 'राजभाषा हिन्दी' को सही मायने में राजकीय भाषा बनायें तथा डिजिटल माध्यमों से हिन्दी की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को देखते हुए इसके प्रचार प्रसार हेतु सतत् एवं सार्थक प्रयास करते रहें।

साथ ही, यह जिक्र करना जरूरी है कि हमने काफी सोपानें तय कर ली हैं और 100% के लक्ष्य में थोड़ा ही बाकी है। अतः इसी विश्वास के साथ इस वर्ष भी आगे बढ़ने की जरूरत है।

अंततः मैं, हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आपको इस दिशा में सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

  
(विश्वजीत कुमार सिंह)